हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 05 देहरादून, मंगलवार, 20 जून, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

हरिद्वार : कांवड़ यात्रियों को हर हाल में करना होगा इन नियमों का पालन, ये है गाइडलाइन 3

नए संकल्पों के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा उत्तराखंड : धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 जून , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के अंतर्गत सरकार नए संकल्पों को लेकर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रही है। सरकार गंभीरता से राज्य के आमजन तक शासन-प्रशासन की प्रत्येक सुविधाएं पहुंचा रही है। धरातल में सरकार द्वारा किए गए कार्य दिखने लगे है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड राज्य से विशेष लगाव है। उन्होंने उत्तराखंड राज्य को विकास के नवरत्न समर्पित किए हैं। उत्तराखंड का विकास यहां के शहीद राज्य आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप हो, इस पर सरकार निरंतर कार्य कर रही है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों से परिपूर्ण हमारे राज्य में विभिन्न तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन चुनौतियों का सामना कर राज्य सरकार लगातार विकास के कदमों को आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार मिलकर उत्तराखंड राज्य में सड़क, हवाई, रेलवे कनेक्टिविटी पर कार्य कर रही है। चौतरफा सड़कों का जाल बिछ रहा है, दिल्ली से देहरादून एलिवेटेड सड़क का कार्य गतिमान है।

आगामी समय में बड़े शहरों की आपसी कनेक्टिविटी, सुगम और सरल होगी। गढ़वाल एवं कुमाऊं की आपसी कनेक्टिविटी को भी सुधारा गया है। उन्होंने कहा सड़क कनेक्टिविटी के सुगम होने से बड़ी संख्या में पर्यटक उत्तराखंड आ रहे है। आज उत्तराखंड राज्य पूरे देश में आकर्षण का केंद्र बन रहा है। राज्य सरकार दीर्घकालीन नीतियां बनाकर सड़कों, बाईपास, बुनियादी

ढांचे का निर्माण कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अमृत काल में उत्तराखंड देश के सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में आगे बढ़े इसके लिए रोडमैप तैयार किया जा रहा है। राज्य सरकार आस्था और व्यवस्था पर संतुलन बनाकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा पिछले वर्ष कावड़ यात्रा में 4 करोड से अधिक कावड़िए उत्तराखंड आए। सरकार ने कावड़ यात्रा के लिए अलग से बजट का प्रावधान किया। सबकी सहभागिता से इस वर्ष भी हम चार धाम यात्रा एवं कावड़ यात्रा को सकुशल संपन्न करवाएंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से आज युवाओं में विश्वास पैदा हुआ है। लंबे समय से परीक्षाओं में चली आ रही नकल पर सख्ती से नकेल कसने का कार्य हुआ है। अभी तक 80 से ज्यादा नकल माफियाओं को जेल में डाला गया है। राज्य सरकार नकल विरोधी कानून लाई, जिसमें नकल करने एवं करवाने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के साथ ही स्वरोजगार के लिए भी रास्ता खोल रही है।

उत्तराखंड : फिर बदलेगा मौसम, पांच जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 20 जून : मानसून आने से पहले उत्तराखंड में होने वाली बारिश से मैदानी इलाकों में गर्मी से राहत मिलेगी। जबकि, पहाड़ी इलाकों में मौसम सुहावना होगा। मौसम विभाग ने 22 जून तक प्रदेश में कहीं-कहीं हल्की से तीव्र बौछारें और कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई है। जबकि पांच जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार मानसून पांच दिन की देरी से 25 जून को उत्तराखंड में प्रवेश करेगा। इससे पहले 21 और 22 जून को प्री मानसून की अच्छी बारिश होगी। हालांकि, इससे पहले भी पर्वतीय जिलों में बारिश और झोंकेदार हवाएं चलेंगी।

इससे मैदानी इलाकों में तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र के

निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया, 19 जून को हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, देहरादून, पौड़ी और नैनीताल में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इसके अलावा बिजली चमकने के साथ 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने की आशंका है। चक्रवाती तूफान बिपरजोय का उत्तराखंड में असर देखने को नहीं मिलेगी। हालांकि, राजस्थान के बाद तूफान की गति पर कमी आने के बाद उत्तराखंड में प्री-मानसून की बारिश के आंकड़े ज्यादा दर्ज किए जा सकते हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया, बिपरजोय का कोई खास असर प्रदेश में देखने को नहीं मिलेगा।

धामी सरकार ने खोला खजाना योजनाओं को मिलेगी रफ़्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 जून , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत ऊखीमठ में त्रियुगीनारायण से तोषी तक मोटर मार्ग के नवनिर्माण हेतु 4 करोड़ 52 लाख रूपये तथा ऊखीमठ में ही तौणीधार-पैलिंग मोटर मार्ग के किमी0 1.00 से 6.00 के मध्य सुधारीकरण एवं पी०सी० द्वारा डामरीकरण के कार्य हेतु 4 करोड़ 70 लाख रूपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है। मुख्यमंत्री द्वारा चौबट्टाखाल विधानसभा में चलकुडिया मसमोली- सकनोली- नौखेली मोटर मार्ग के किमी. 3 से 5 तथा किमी 6-8 के डामरीकरण के कार्य हेतु 3 करोड़ 64 लाख रूपये, खटीमा में तहसील रोड से केन्द्रीय विद्यालय के बगल से सिविल अस्पताल खटीमा को सेल्स टैक्स कार्यालय रोड से जोड़ने हेतु इण्टर लॉकिंग टाईल्स द्वारा लिंक

मार्ग के निर्माण हेतु 38.52 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न शासकीय कार्यालयों में वर्षा जल संरक्षण प्रणाली को अधिष्ठापित किये जाने हेतु रेसकोर्स में हरि आवास कालोनी तथा कारगी चौक में एस.टी.पी हेतु कुल 32.24 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

डीजीपी अशोक कुमार से मिले मेजर जनरल मनोज तिवारी , अग्निपथ योजना पर हुयी चर्चा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 जून , उत्तराखंड के डीजीपी अशोक कुमार से मेजर जनरल मनोज तिवारी, (ADG Recruitment of UP & UK) द्वारा पुलिस मुख्यालय स्थित कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की गयी । इस दौरान मेजर जनरल तिवारी द्वारा पुलिस महानिदेशक महोदय को भारतीय सेना की अग्निपथ स्कीम के तहत उत्तराखण्ड के बनबसा, रानीखेत और कोटद्वार में आयोजित होने वाली 03 भर्ती रैलियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई I उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में होने वाली भर्ती रैलियों में राज्य के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से युवा बड़ी संख्या में प्रतिभाग करेंगे I

जिसमें भर्ती रैली के दौरान भीड नियंत्रण व अप्रिय स्थिति से निपटने हेतु पुलिस बल नियुक्त किया जाना आवश्यक है I पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड अशोक कुमार द्वारा पुलिस प्रबंधन के साथ समय से पुलिस बल की तैनाती हेतु आश्वस्त किया गया .

मोदी सरकार में हर व्यक्ति के पास पहुंची योजना : भट्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर। पूर्व प्रदेश महामंत्री सुरेश भट्ट ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के नौ वर्ष के कार्यकाल में हर व्यक्ति के पास कोई न कोई योजना पहुंची है।

भाजपा के महाजनसंपर्क अभियान के तहत सोमवार को एक बैंक्वेट हॉल में लाभार्थी सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश महामंत्री भट्ट ने कहा कि कोरोना काल में घर-घर फ्री राशन हो या फिर कोरोना वैक्सीन, मोदी सरकार ने देश की जनता के जीवन को सुरक्षित करने का कार्य किया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व पटल पर एक अलग पहचान बनाने में कामयाब रहा है। विधायक शिव अरोरा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विकास के 9 साल देश के सुदूर बैठे उस गरीब को समर्पित रहे, जिनको विपक्षी पार्टी सिर्फ वोटर की नजर से देखती आई है। यह कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प को साकार करने वाला है। रुद्रपुर विधानसभा में लगभग 27 करोड़ के विकास कार्य के प्रस्ताव पास हुए हैं। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक सुरेश कोली, भाजपा जिला महामंत्री अमित नारंग, मंडल अध्यक्ष धर्म सिंह कोली, धीरेश कोली, हरीश भट्ट, रामप्रकाश गुप्ता, जगदीश विश्वास, शाहखान राजशाही, जुल्फिकार अली, महेंद्री शर्मा, रश्मि रस्तोगी, मनदीप वर्मा, संदीप बाजवा, ललित बिष्ट, सोनू कोली, मदन दिवाकर, गुरबाज सिंह, राजीव चौधरी, भीमसेन, बलाई विश्वास सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उत्तराखंड में है इकलौता राहु मंदिर, जहाँ होती है दानव पूजा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 जून , देवभूमि उत्तराखण्ड के पौड़ी जिले में थलीसैण ब्लॉक के पैठाणी गांव में एक ऐसा स्थान है जहां देवता ही नहीं बल्कि दानव की भी पूजा की जाती है। सुनने में यह थोड़ा अजीब जरूर लगता है, लेकिन यह सच हैं। यह देश का एकलौता राहु मंदिर है। इस मंदिर में राहु की पूजा भगवान शिव के साथ होती है। हिमालय की गोद में बसे उत्तराखण्ड के पौड़ी में स्थित थलीसैण ब्लॉक के गांव पैठाणी का धार्मिक महत्व थोड़ा भिन्न है, क्योंकि यहां उन्हें भी आदर दिया जाता है जिन्हें स्वयं देवता भी ठुकरा देते हैं।

उत्तराखंड में है इकलौता राहु मंदिर , होती है पूजा

यहां देवताओं की प्रार्थना पर भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से जिस दानव का सिर धड़ से अलग कर दिया था, उसकी मंदिर बनाकर यहां पूजा की जाती है। थलीसैण ब्लॉक की कंडारस्यूं पट्टी के पैठाणी गांव में स्योलीगाड व नावालिका नदी के संगम पर स्थित यह मंदिर ऐसा ही है। यह सुनने में भले थोड़ा अजीब जरूर है, लेकिन कहते हैं कि जनआस्था और विश्वास में कुछ भी नामुमकिन नहीं है। यही कारण है कि जहां राहु की दृष्टि पड़ने से भी लोग बचते हैं वहीं पैठाणी के इस राहु मंदिर में सदियों से राहु की पूजा होती आ रही है। वह भी भगवान शिव के साथ।

कहते हैं कि जब शंकराचार्य दक्षिण से हिमालय की यात्रा पर आए तो उन्हें पौड़ी के पैठाणी गांव के इस क्षेत्र में राहु के प्रभाव का आभास हुआ। इसके बाद उन्होंने पैठाणी में राहु के मंदिर का निर्माण शुरू किया।वहीं, कुछ लोगों का यह भी मानना है कि इस मंदिर का निर्माण पांडवों द्वारा किया गया हैं। उत्तराखण्ड गढ़वाल मंडल के पर्वतीय अंचल में स्थित यह मंदिर बेहद भव्य, अद्भुत एवं खूबसूरत है, जिसके दीदार को देश-दुनिया से पर्यटक एवं श्रद्धालु पैठाणी गांव पहुंचते हैं।

सुदर्शन से कटने के बाद यहीं पर गिरा था राहु का सिर

सागर मंथन के दौरान स्वरभानु नामक राक्षस भगवान विष्णु स्वरूप की चाल को समझ गया था। इस पर स्वरभानु ने मंथन से निकले अमृत को देवताओं की पंगत पर बैठकर छका था। भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से स्वरभानु का सिर धड़ से अलग कर दिया था, जिससे कि वह अमर न हो जाए, लेकिन अमृत छक चुका स्वरभानु तो अमर हो गया था। जिसका निचला हिस्सा केतु बना तो धड़ से ऊपर सिर वाला हिस्सा राहु कहलाया। कहते हैं राहु का सिर सुदर्शन से कटने के बाद देवभूमि उत्तराखण्ड के पैठाणी नामक गांव पर गिरा।

इस मंदिर में भगवान शिव के साथ राहु की धड़विहीन मूर्ति स्थापित है। मंदिर की दीवारों के पत्थरों पर आकर्षक नक्काशी की गई है, जिनमें राहु के कटे हुए सिर व सुदर्शन चक्र उत्कीर्ण हैं। इसी वजह से इसे राहु मंदिर नाम दिया गया। कहा जाता है कि यहां पर विधि से पूजा करने पर राहु और केतु के साथ शनि के दोष से भी मुक्ति मिलती है। वहीं, धार्मिक आस्था के अनुसार राहु द्वारा स्थापित शिवलिंग पर जलाभिषेक कर लिंग की पूजा करने से राहु प्रसन्न हो जाते है। राहु की खूबी है कि अगर उनकी सकारात्मक दृष्टि किसी पर बन जाये तो वो फर्श से अर्श तक पहुंच सकता है।

मूंग की खिचड़ी का लगता है भोग

मान्यता है कि कुंडली में राहु दोष होने से इंसान काफी परेशान रहता है और उसके कार्य जल्द सफल नहीं होता। ग्रह दोष निवारण में विश्वास रखने वाले लोग बड़ी संख्या में राहु की पूजा के लिए यहां पहुंचते हैं। इस मंदिर में पूजा-अर्चना करने से राहु दोष से हमेशा के लिए मुक्ति मिलती है। खास बात यह कि राहु को यहां मूंग की खिचड़ी का भोग लगाया जाता है। भंडारे में श्रद्धालु भी मूंग की खिचड़ी को ही प्रसाद रूप में ग्रहण करते है।

खून ले जाने वाली धमनी में लगेगा सेंसर हार्ट फेल होने से पहले देगा वार्निंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 जून : हार्ट फेल होता है और किसी को भी पता नहीं चलता. समय से अस्पताल पहुंच भी गए तो डॉक्टरों को कुछ ही मिनट मिल पाता है, देरी हुई तो जीवन खत्म. मगर अब ऐसा नहीं होगा. साइंटिस्ट ने एक अनोखी चिप तैयार की है, जो हार्ट फेल होने से काफी पहले बता देगी कि कुछ दिक्कत हो रही है. आप डॉक्टर के पास जाएंगे और तुरंत इसका इलाज लेकर ठीक हो जाएंगे. डॉक्टरों के मुताबिक, 50 फीसदी मामलों में तो अस्पताल में इमरजेंसी में भर्ती होने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी.

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, कार्डियो एमईएमएस नाम के इस छोटे से सेंसर को दिल की ओर जाने वाली धमनियों में से एक में फिट किया जाता है. यह हर मिनट आपके ब्लड प्रेशर को मॉनिटर करता है. उसमें होने वाले उतार-चढ़ाव का पता लगाने में सक्षम है जो बिगड़ते स्वास्थ्य का संकेत दे सकता है. डॉक्टरों के मुताबिक, इंसान को हर सुबह एक तकिये पर लेटना होता है, जो इसके साथ कम्यूनिकेट करता है. लेटते ही यह आपके डॉक्टर को संकेत भेज देता है. बता देता कि फलां धमनी में किसी तरह की दिक्कत आ रही है.

मेडिकल जर्नल द लैंसेट में पब्लिश रिपोर्ट के अनुसार, इस डिवाइस का 348 लोगों पर परीक्षण किया गया. तकरीबन 18 महीने तक इन लोगों पर निगरानी रखी गई. नतीजे चौंकाने वाले थे. पता चला कि जिन लोगों में सेंसर इम्प्लांट किया गया था, उन लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की संभावना 44 फीसदी कम थी. हार्ट अटैक तब आता है जब हृदय को रक्त की आपूर्ति अचानक बंद हो जाती है. यह लाइलाज स्थिति है और इसमें मौत की संभावना सबसे ज्यादा होती है. डॉक्टरों के मुताबिक, जब हृदय की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं तो वह सही तरीके से रक्त को पंप नहीं कर पाता. यह मौत का कारण बनती है

हार्ट फेल्योर की सबसे मुख्य वजह दिल का दौरा पड़ना है, जो मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाता है. हार्ट वाल्व, वायरल इंफेक्शन और जेनेटिक समस्या की वजह से भी हार्ट फेल हो सकता है.बुजुर्गों में हार्ट फेल होने की सबसे बड़ी वजह फेफड़ों के आसपास की नसों में हाई ब्लड प्रेशर को माना गया है.आमतौर पर सांस के रोगियों में यह दिक्कत ज्यादा होती है, क्योंकि शरीर ऑक्सीजन की डिमांड करता है और इसके लिए उन्हें तेज सांस लेने की जरूरत पड़ती है. भारत समेत दुनिया के कई देशों में लाखों लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं.

नैनीताल की सबसे रहस्यमयी परी ताल झील, हर पूर्णिमा की रात यहां परियां नहाने आती हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 20 जून : उत्तराखंड की धरती खुद में कई रहस्यों को समेटे हुए है। यहां ऐसी कई अनछुई जगहें हैं, जो आज तक सामने नहीं आ सकीं। शायद ये अच्छा ही है, क्योंकि इंसानी दखल न होने की वजह से ही ये जगहें अपनी खूबसूरती बरकरार रख पाई हैं। यहां टिहरी में स्थित खैट पर्वत को लेकर मान्यता है कि इस जगह आज भी परियों का निवास है। देश-दुनिया के लोग खैट पर्वत को देखने के लिए हर साल उत्तराखंड आते हैं, लेकिन आज हम खैट पर्वत नहीं, बल्कि उत्तराखंड के उस ताल की बात करेंगे जहां परियां नहाने आती हैं।

यही वजह है कि इस जगह को परी ताल के नाम से जाना जाता है। नैनीताल शहर से 25 किलोमीटर दूर एक गांव है चाफी। यहां से 3 किमी के पैदल रास्ते पर चलकर परी ताल पहुंचा जा सकता है। ये सफर रोमांचक होने के साथ ही खतरनाक भी है। परी ताल के रास्ते में अंग्रेजों के जमाने का एक पुल भी पड़ता है। परी ताल की गिनती उत्तराखंड के सबसे रहस्यमयी तालों में होती है। कहते हैं कि पूर्णिमा के दिन यहां परियां नहाने आती हैं। इस ताल के आसपास की कुछ काली चट्टानें दिखती हैं। इन्हें शिलाजीत युक्त चट्टान माना जाता है। यह एंटी एजिंग के लिए औषधीय तत्वों से भरपूर होती है।

इस ताल से सटा एक खूबसूरत सा झरना भी दिखाई देता है, जो इसकी सुंदरता को और निखार देता है। परी ताल की असल गहराई का आज तक पता नहीं चल पाया है। क्योंकि ये ताल परियों का ताल माना जाता है, इसलिए स्थानीय लोग यहां नहाने और डुबकी लगाने से परहेज करते हैं। तो अगली बार आप जब भी नैनीताल आएं अपनी लिस्ट में नैनीझील, भीमताल, नौकुचियाताल, हनुमान ताल, सीताताल और कमलताल जैसी झीलों के साथ परी ताल को भी जरूर शामिल करें। यकीन मानिए इस जगह की खूबसूरती आपको रोमांचक एहसास से भर देगी, एक ऐसा एहसास जिसे आप कभी भूल नहीं पाएंगे।

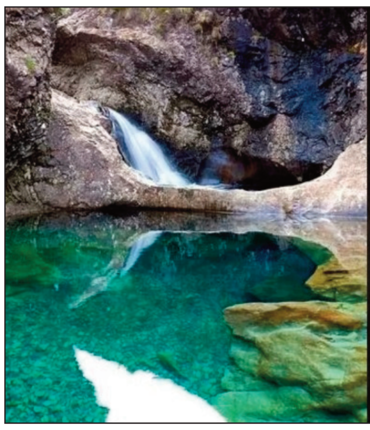

हरिद्वार : कांवड़ यात्रियों को हर हाल में करना होगा इन नियमों का पालन, ये है गाइडलाइन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 20 जून : आगामी चार जुलाई से 15 जुलाई तक कांवड़ यात्रा का प्रारंभ होना है और हर साल की तरह हरिद्वार में कावड़िए अपनी आस्था के चलते गंगा जल लेने आएंगे और भगवान शिव की भक्ति में लीन होंगे। मगर यात्रा के दौरान हर साल कुछ कड़े नियम और कानून बनाए जाते हैं जिनका सख्ती से पालन करना अनिवार्य होता है और पुलिस भी यह देखती है कि सभी लोग नियम और कानूनों का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान हर साल करोड़ों लोग हरिद्वार की ओर रुख करते हैं ऐसे में जाम व्यवस्था से लेकर हर तरह की सुरक्षा व्यवस्था और परिवहन व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे, यह सब देखना जरूरी होता है। ऐसे में इस बार भी पुलिस प्रशासन ने कांवड़ यात्रा को लेकर नियमों की लिस्ट जारी कर दी है।

इस साल भी लगभग चार करोड़ से अधिक यात्रियों के आने की संभावना है। कांवड़ मेला क्षेत्र को 12 सुपर जोन, 32 जोन और 130 सेक्टरों में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। कांवड़ मेले में इस बार डीजे प्रतिबंधित नहीं रहेगा। मगर पुलिस इसे नियंत्रित करेगी। यात्रा के दौरान कोई भी 12 फीट से ऊंची कांवड़ नहीं ला सकेगा। यह तय किया गया कि हर कांवड़ यात्री को अपने साथ पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा।

कांवड़ यात्रा की व्यवस्था में लगे सभी नोडल अफसरों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा। इसके अलावा सभी चेकपोस्ट और बैरियरों पर संयुक्त रूप से चेकिंग की जाएगी। बैठक के बाद डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस यातायात प्लान बनाएगी।

इस बार भी डीजे को प्रतिबंधित नहीं किया गया है मगर पुलिसि यह ध्यान रखेगी कि उसकी ध्वनि नियंत्रण में हो। इसी के साथ डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि यात्रा मार्ग पर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड पुलिस का सीसीटीवी कवरेज भी अच्छा है। उत्तराखंड पुलिस 500 सीसीटीवी कैमरों से जबकि, उत्तर प्रदेश पुलिस 1000 कैमरों से नजर रखेगी। 333 सीसीटीवी कैमरे केवल हरिद्वार के मेला क्षेत्र में लगे हुए हैं। कांवड़ के दौरान चप्पे चप्पे पर पुलिस तैनात रहेगी। ये प्रमुख निर्णय बीते दिन पुलिस मुख्यालय में हुई। बैठक में सात राज्यों उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और पंजाब के पुलिस अधिकारियों और आईबी व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

जनसुनवाई की शिकायतों का गम्भीरता से समाधान करें अधिकारी : सोनिका, डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 20 जून , जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषीपर्ण सभागार कलक्ट्रैट में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में 98 शिकायतें प्राप्त हुई। प्राप्त शिकायतों में भूमि विवाद , अतिक्रमण , अवैध कब्जा , आपसी विवाद , राष्ट्रीय राजमार्ग हेतु अधिग्रहित की गई भूमि को बढा हुआ मुआवजा दिलाने, सडक, बिजली , पानी ,आर्थिक सहायता ,धोखाधडी आदि सम्बन्धित शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों, नगर निगम, एमडीडीए के अधिकारीयों को निर्देशित किया कि अवैध कब्जे , भूमि खुर्द्ध-बुर्द्ध , अतिक्रमण की शिकायतों पर त्वरीत संज्ञान लेते हुए गम्भीरता से कार्यवाही करे । उन्होंने विद्युत विभाग,पेयजल निगम एवं जल संस्थान को शिकायतों पर त्वरीत संज्ञान लेकर कार्यवाही करने के निर्देश दिये ।

जनसुनवाई में ग्राम विशनाई में कालसी में सडक मरम्मत कार्य , हौज मरम्मत कार्य,जंगली जानवरों से खेती की सुरक्षा हेतु बाड लगाने, बरसाती पानी के साथ मलवा आने से मकान को खतरा एवं ग्राम ठारना चकराता में मकान को खतरा होने के दृष्टिगत सुरक्षा इंतेजाम किये जाने हेतु सुरक्षा दिवार लगाने पर मुख्य विकास अधिकारी को कार्यवाही के निर्देश दिये ।जनसुनवाई मे तहसील विकासनगर अंर्तगत राष्ट्रीय राजमार्ग हेतु अधिग्रहित की गई भूमि का बडा हुआ मुआवजा दिलवाने की मांग पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी विकासनगर एवं विशेष भूमि अध्यापित अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये। डोईवाला में भूमि खुर्द्ध-बुद्र्ध करने की शिकायत पर उपजिलाधिकारी डोईवाला को कार्यवाही के निर्देश दिये। ऋषिकेश में रास्ते पर अतिक्रमण पर उपजिलाधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये ।पारिवारिक विवाद के प्रकरणों पर पुलिस अधिकारीयों को जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिये।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, प्रभारी वनाधिकारी वैभव कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ एस के बरनवाल, उप जिलाधिकारी सदर नरेशचंद्र दुर्गापाल, उप जिलाधिकारी मुख्यालय शालिनी नेगी, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विक्रांत सिंह,जिला समाज कल्याण अधिकारी गोवर्धन, मुख्य कृषि अधिकारी लतिका सिंह सहित, नगर निगम, सिंचाई, विद्युत सहित संबंधित विभागों, अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

दून बिजनेस स्कूल में हुआ मिलेट उत्पादकता पर संवाद

देहरादून। दून बिजनेस स्कूल(डीबीएस) में सोमवार को मिलेट्स(मोटे अनाज) और उनकी महत्व को बढ़ावा देने के लिए संवाद का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विशेषज्ञों ने मिलेट्स के पोषण सुरक्षा के लिए उपयोगिता व खेती सहित अन्य पहलुओं पर चर्चा की। संवाद की शुरुआत कृषि और संबद्ध विज्ञान स्कूल डीबीएस समूह के मुख्य अध्यापक डा. आईजे गुलाटी ने मिलेट खेती के बारे में बताकर की। इसके बाद भारतीय मृदा और जल संरक्षण संस्थान के निदेशक डा. मधु मदेगौड़ा ने कहा कि हाल की फंक्शनल फूड और न्यूट्रास्यूटिकल्स पर हो रहे जागरूकता के साथ, मिलेट्स में काफी पॉटेंशियल है। कृषि निदेशक डॉ. गौरी शंकर ने कहा कि मिलेट्स भविष्य में भोजन, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों को संभाल सकते हैं। आईसीएआर अल्मोड़ा के पूर्व निदेशक डॉ. ए के श्रीवास्तव ने कहा कि संज्ञानात्मक रोगों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय-रोग आदि के निवारण में मिलेट्स काफी मददगार हैं। कार्यक्रम में कृषि निदेशालय के उपनिदेशक अभय सक्सेना और त्रेटा एग्रो प्राइवेट लिमिटेड काशीपुर के सीईओ पंकज अग्रवाल मुख्य वक्ता रहे।

वन विभाग ने विभिन्न जगहों पर चलाया सफाई अभियान

देहरादून। वन विभाग की टीम ने हाईकोर्ट के आदेश पर आशारोड़ी में सफाई अभियान चलाया। इस दौरान रेंजर विजेंद्र दत्त तिवारी के नेतृत्व में कई टीमों ने चंद्रबनी खालसा ईको पार्क, ग्राफिक एरा,पीपलेश्वर मंदिर, गुर्जर छानों आदि में सफाई अभियान चलाया। जिमसें दो टन कचरा जमा किया गया। अभियान में डिप्टी रेंजर मोहम्मद हुसैन,सुभाष चंद्र,वन दरोगा बीएस जंगपांगी और जय सिंह नेगी सहित कई वनकर्मी शामिल रहे। मालसी में भी चला सफाई अभियानः मालसी रेंज में सफाई अभियान चलाया। इस दौरान जंगल में, सडक़ों पर और आसपास के इलाकों में प्लास्टिक कचरा उठाया गया। इसके अलावा लोगों को सफाई के लिए जागरुक भी किया गया। रेंजर भुवन चंद्र बिजल्वाण ने बताया कि हाईकोर्ट के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा जमा किया गया। अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इसके अलावा जागरुकता अभियान भी चलाया जा रहा है। अभियान में वन दरोगा अखिलेश, वन बीट अधिकारी मोहित सोंधी,शैलेंद्र रावत, कविता और मनोज सहित कई लोग मौजूद रहे।

जीएमवीएन के सभी टीआरएच में फ्री योग शिविर

देहरादून। जीएमवीएन की ओर से 24 जून तक अपने सभी पर्यटक आवास गृहों में निशुल्क योग शिविरों का आयोजन किया जाएगा। एमडी जीएमवीएन विनोद गिरी गोस्वामी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को ध्यान में रखते हुए योग शिविरों का आयोजन शुरू कर दिया गया है। देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी और हरिद्वार में स्थानीय योगाचार्यों के स्तर से योग कराया जा रहा है। इन शिविरों में पर्यटक, कर्मचारियों के साथ ही स्थानीय लोग भी भाग ले रहे हैं।

प्रीतम सिंह की मां के निधन पर शोक जताया

देहरादून। पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह के मां के निधन पर कांग्रेसियों ने शोक जताया। पूर्व विधायक राजकुमार के कैंप कार्यालय में कांग्रेसियों ने शोक जताया। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि इस दुःख की घडी में हम सब कांग्रेसजन बराबर के सहभागी हैं। इस अवसर पर पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, पार्षद निखिल कुमार, सोमप्रकाश वाल्मीकि, सुनील बांगा सहित अनेक कांग्रेसजन शामिल रहे।

वन पंचायतों में खुलेंगे जड़ी बूटी से रोजगार के अवसर

आजीविका तलाशने में मुख्य सचिव की पहल पर वन विभाग के हॉफ ने सुझाए ठोस उपाय

■ वन विभाग के हॉफ अनूप मलिक ने जायका के चीफ रहते वन पंचायतों को आजीविका के क्षेत्र में किया है काफ़ी मजबूत

अरशद मलिक
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 जून, मुख्य सचिव डॉ एसएस संधू अध्यक्षता में सचिवालय में प्रदेश के वन क्षेत्रों (वन पंचायत आदि) में जड़ी-बूटी उत्पादन के सम्बन्ध में सम्बन्धित विभागों के साथ बैठक आयोजित हुयी। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में वन पंचायतों एवं वन से लगे क्षेत्रों में जड़ी-बूटी के उत्पादन एवं इससे रोजगार सृजन की असीम सम्भावनाओं को देखते हुए इस दिशा में गम्भीरता से कार्य किए जाने की आवश्यकता है।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में लगभग 70 प्रतिशत वन क्षेत्र होने के कारण इस क्षेत्र में अत्यधिक सम्भावनाएं हैं। उन्होंने इसके लिए सभी सम्बन्धित विभागों को मिलकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में अच्छा कार्य कर रहे राज्यों की पॉलिसी का भी अध्ययन कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिलाधिकारी एवं डीएफओ को महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से इसके लिए 25 करोड़ विभागीय बजट का प्राविधान किया जाएगा। बाकी के बजट के लिए कैम्पा एवं अन्य स्रोतों से भी बजट की पूर्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसके सफल संचालन के बाद वन पंचायतों की आर्थिकी में काफी सुधार आएगा। वन पंचायतों में अगले 5 वर्षों में 10 हजार हेक्टेयर में जड़ी-बूटी उत्पादन की सम्भावना है। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट स्थानीय लोगों को आजीविका उपलब्ध कराने की दिशा एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) अनूप मलिक, सचिव दीपेन्द्र चौधरी एवं निदेशक उद्यान रणवीर सिंह चौहान सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

पर्यटकों की भारी भीड़ से देहरादून, ऋषिकेश, मसूरी, नैनीताल में जाम, होटल भी फुल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 20 जून : अगर आप भी गर्मियों की छुट्टी में उत्तराखंड घूमने आ रहे है तो ये खबर आपके लिए , गर्मी लोगों के लिए मुसीबत बन रही है। देश के मैदानी शहरों में बढ़ते तापमान और तपती गर्मी की वजह से लोग बेहाल हो रहे हैं। ऐसे में दिल्ली एनसीआर और आसपास के लोग गर्मी से राहत पाने के लिए लोग उत्तराखंड के हिल स्टेशन की ओर रुख कर रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर, यूपी, पंजाब, हरियाणा देश के अन्य राज्यों से टूरिस्ट उत्तराखंड पर्यटक स्थल मसूरी, नैनीताल, हल्द्वानी, अल्मोड़ा, ऋषिकेश सहित कई पर्यटक स्थलों पर आ रहे हैं, जिस वजह से यह पर्यटक स्थल पूरी तरह से पैक हो गए हैं। वहीं पर्यटकों की भारी भीड़ की वजह से ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई है।

हरिद्वार- दिल्ली हाईवे, हरिद्वार- ऋषिकेश हाईवे, हरिद्वार-देहरादून हाईवे सहित देहरादून-मसूरी रोड पर लंबा ट्रैफिक जाम लग रहा है।उत्तराखंड के पर्यटक स्थलों में होटल पूरी तरह से पैक हैं। इसके साथ ही उत्तराखंड चार धाम यात्रा की वजह से तीर्थ यात्रियों की भारी भीड़ उत्तराखंड पहुंच रही है। वीकेंड पर भीड़ उमड़ने के कारण दिनभर हरिद्वार हाईवे पर जाम लगा रहा। वाहन रेंग-रेंग कर आगे बढ़ रहे है , बता दें कि हरिद्वार में बीते दिन यातायात का दबाव खासा दिखाई देने लगा था। और सुबह से ही दिल्ली एनसीआर, वेस्ट यूपी से लेकर पंजाब-हरियाणा से बड़ी संख्या में यात्री वाहन यहां पहुंचना शुरू हो गए।

वहीं सीओ राकेश रावत ने कहा कि वाहनों का दबाव अधिक हानि के कारण जाम लग रहा था। सप्तऋषि से डायवर्जन किया गया था। शाम को वाहनों का दबाव कम हो गया था। उन्होंने कहा कि मुख्य चौराहों और हाईवे पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर ट्रैफिक नियंत्रित किया जा रहा है। वहीं हरिद्वार के अलावा ऋषिकेश, देहरादून और मसूरी में भी यही हाल रहा।

12 किलो का 'बाहुबली' समोसा खाकर दिखाओ, जीतो 71,000 रुपए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जून , मेरठ से खबर है जो सुर्खियां बटोर रही है। यहाँ कौशल स्वीट्स के तीसरी पीढ़ी के मालिक शुभम कौशल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि वह समोसे को आकर्षण का केंद्र बनाने के लिए ''कुछ अलग करना'' चाहते थे और इसलिए उनके मन में 12 किलोग्राम का बाहुबली 'समोसा' तैयार करने का विचार आया। कौशल ने कहा कि लोग अपने जन्मदिन पर पारंपरिक केक के बजाय 'बाहुबली' समोसा काटते हैं। उन्होंने कहा कि 30 मिनट में इसे पूरा खाने पर 71,000 रुपए के इनाम की घोषणा भी की गई है। इस समोसे को तैयार करने में कौशल के बावर्चियों को करीब छह घंटे का समय लगता है। कौशल ने बताया कि कड़ाही में समोसा सिर्फ तलने में डेढ़ घंटा लगता है और इस काम में तीन बावर्चियों की मेहनत लगती है।

उन्होंने कहा, ''हमारे बाहुबली समोसे ने सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और फूड ब्लॉगर का भी ध्यान खींचा। स्थानीय लोगों के अलावा देश के अन्य हिस्सों के लोग भी इस समोसे के बारे में हमसे पूछते हैं।'' उन्होंने बताया कि इस समोसे के लिए पहले से बुकिंग करानी पड़ती है। कौशल ने कहा, ''मैं समोसे को खबरों में लाने के लिए कुछ अलग करना चाहता था। हमने 'बाहुबली' समोसा बनाने का फैसला किया। हमने चार किलोग्राम का समोसा और फिर आठ किलोग्राम का समोसा बनाकर शुरुआत की। इसके बाद हमने पिछले साल 12 किलोग्राम का समोसा तैयार किया।'' उन्होंने कहा कि 12 किलोग्राम वजनी समोसे की कीमत करीब 1,500 रुपये है। शुभम ने दावा कि उन्हें अभी तक अपने बाहुबली समोसे के लिए करीब 40-50 ऑर्डर मिल चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि यह देश का सबसे बड़ा समोसा है।

देर रात तक जागने और लेट से उठने वालों को मौत का खतरा सबसे ज्यादा !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जून , रात को जल्दी सोना और सुबह जल्दी उठना हमेशा से अच्छी आदत मानी जाती रही है। इसके बावजूद बड़ी सख्या में ऐसे भी लोग हैं, जो देर रात तक जागते हैं और सुबह भी लेट उठते हैं। अब हाल में हुए एक ताजा अध्ययन के अनुसार, देर रात तक सोने और लेट से जागने वाले व्यक्तियों में अस्वास्थ्यकर आदतों के कारण जल्दी मौत का खतरा अधिक हो सकता है। फिनिश इंस्टीट्यूट ऑफ ऑक्यूपेशनल हेल्थ के शोध में 1981 से 2018 तक लगभग 24000 जुड़वां बच्चों को शामिल किया गया। प्रतिभागियों को खुद को सुबह के लोगों, शाम के लोगों या बीच के समय में सोने वालों के रूप में पहचानने के लिए कहा गया था।

देर रात जागने वालों को मौत का ज्यादा खतरा

शोध ने डेटा को शिक्षा, शराब के उपयोग, धूम्रपान, बॉडी मास इंडेक्ट और नींद की अवधि जैसे कारकों के अनुसार एडजस्ट किया गया। अध्ययन में पाया गया कि मुख्य रूप से तम्बाकू और शराब के अधिक सेवन के कारण रात में जागने वाले लोगों को सुबह उठने वाले लोगों की तुलना में जल्दी मृत्यु का जोखिम लगभग 9% बढ़ जाता है। मिनेसोटा के रोचेस्टर में मेयो क्लिनिक में सेंटर फॉर स्लीप मेडिसिन के विशेषज्ञ डॉ. भानु प्रकाश कोल्ला ने कहा कि शराब के अलावा अन्य संभावित कारकों में लोगों को काम या स्कूल के लिए जल्दी उठने की आवश्यकता होती है। ऐसे में लोग कम सोते हैं और नींद की कमी जोखिम को बढ़ा सकती है।

डायबिटीज और हार्ट की बीमारियां हो सकती हैं

पिछले अध्ययनों से पता चला है कि रात में जागने वालों को पुरानी बीमारियों जैसे कि टाइप-2 डायबिटीज और हार्ट संबंधी बीमारियों का खतरा अधिक होता है। वे शारीरिक रूप से कम सक्रिय होते हैं। इनका एरोबिक फिटनेस का स्तर कम होता है और इंसुलिन रेजिस्टेंस काफी ज्यादा बढ़ जाता है। रात में जागने वाले लोगों में रिस्क लेने की प्रवृति भी ज्यादा होती है। वे नाश्ता छोड़ देते हैं, दिन में बाद में अधिक खाते हैं और इससे शरीर में वसा के स्तर काफी अधिक बढ़ जाता है।

विशेषज्ञ क्या बोल रहे

स्लीप मेडिसिन विशेषज्ञों का सुझाव है कि जीवन शैली को बदलना काफी जरूरी है। जैसे कि सुबह में खुद को तेज रोशनी में अचानक उजागर करने से बचना चाहिए। रात में ब्राइट स्क्रीन के संपर्क को सीमित करना चाहिए और जल्दी खाना खा लेना चाहिए। यह नींद के समय को बदलने में भी मदद कर सकता है। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी फीनबर्ग स्कूल ऑफ मेडिसिन के डॉ फिलिस जी ने कहा कि अगर रात में जागना आपको परेशान करता है तो कई ऐसी चीजें हैं, जो आप रात से दिन में स्विच कर सकते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि व्यक्ति अपनी जन्मजात नींद के क्रम को पूरी तरह से नहीं बदल सकता है।

वेस्टर्न टॉयलेट से ज्यादा इंडियन टॉयलेट क्यों बेहतर है ? पढ़िए फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जून , समय के साथ साथ आज हमने और आपने अपनी ज़िंदगी को पहले से ज्यादा आरामदायक और सहुलियत के मुताबिक अपनी जीवनशैली को वदल लिया है। ऐसे में आज हम आपको बेहद ख़ास बदलाव के बारे में बताएँगे जो शायद आपको भी जानकर अजीब लगेगा क्योंकि ये जुड़ा है आपकी सेहत , स्वास्थ्य और सफाई से , और ये बदलाव है आपका टॉयलेट

पुराने स्टाइल का इंडियन टॉयलेट और आज के ज़माने का वेस्टर्न टॉयलेट में जो होड़ शुरू हुयी उसमे इंडियन टॉयलेट को लोगों से ओल्ड फैशन समझ कर नकारना शुरू कर दिया और लगातार नई और सुविधाजनक चीजें अपनाते हुए वेस्टर्न स्टाइल को अपना लिया हैं। बीते कुछ समय से लोगों के बीच वेस्टर्न टॉयलेट का कल्चर तेजी से बढ़ता दिख रहा है। कुछ लोग जहां अपनी सुविधा के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं, तो वहीं कुछ समय के साथ बदलते ट्रेंड को फॉलो करने की चक्कर में इसे अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बना रहे हैं।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि अपनी सुविधा के लिए आप जिस वेस्टर्न टॉयलेट का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह असल में आपकी सेहत के लिए काफी हानिकारक हो सकती है। अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जो इन दिनों इंडियन टॉयलेट को छोड़ वेस्टर्न टॉयलेट का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो आज हम आपको बताएंगे कि वेस्टर्न टॉयलेट से ज्यादा इंडियन टॉयलेट क्यों बेहतर है ?

ब्लड सर्कुलेशन अच्छा करें

इंडियन टॉयलेट आपको सेहतमंद बनाए रखने में काफी मददगार साबित हो सकता है। दरअसल, इसके इस्तेमाल से आपके पूरे शरीर की एक्सरसाइज होती है। इंडियन टॉयलेट में 10 से 15 मिनट तक बैठना जिम में स्क्वाट करने के ही बराबर है, जिससे आप फिट तो रहते ही है। साथ ही शरीर का ब्लड सर्कुलेशन भी अच्छा रहता है।.

डाइजेशन अच्छा करे

इंडियन टॉयलेट का इस्तेमाल करने से आपके पेट पर दबाव पड़ता है, जिससे आपका डाइजेशन अच्छा होता है और पेट भी अच्छे से साफ होता है। लेकिन वेस्टर्न टॉयलेट के इस्तेमाल से पेट पर दबाव नहीं पड़ता, जिससे पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

पेपर और पानी की बर्बादी से बचाए

स्कूल-कॉलेज, दफ्तर या घर में बने वेस्टर्न टॉयलेट का इस्तेमाल करते समय ज्यादा मात्रा पानी और पेपर का इस्तेमाल होता है, जिससे इनकी काफी बर्बादी होती है। लेकिन इसके विपरीत

इंडियन टॉयलेट में पेपर की कोई जरूरत नहीं होती और पानी भी सीमित मात्रा में इस्तेमाल होता है।

गर्भवती महिलाओं के लिए फायदेमंद

शायद आप यह जानते होंगे कि इंडियन टॉयलेट गर्भवती महिलाओं के लिए ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। दरअसल, इस पर बैठने से महिलाओं में स्क्वाट्स लगाने की पोजिशन में आती हैं, जिससे नॉर्मल डिलीवरी होने की संभावना काफी ज्यादा बढ़ जाती है।

कैंसर समेत गंभीर बीमारियों से बचाए

इंडियन टॉयलेट का इस्तेमाल करने से पेट तो साफ रहता ही है, लेकिन इससे पेट से जुड़े कोलन कैंसर और अन्य बीमारियों के होने का खतरा भी कम हो जाता है। दरअसल, इंडियन पॉट पर बैठने से पेट अच्छी तरह साफ होता है, जिससे कब्ज अपेंडिसाइटिस, कोलन कैंसर समेत अन्य बीमारियां होने की संभावनाएं कम हो जाती हैं।

रोते वक्त आंखों में कहाँ से आ जाते है आंसू, जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 जून : रोना भले ही किसी को पसंद न हो लेकिन प्यार और दुख के ऐसे कई मौके आते हैं जब लोगों की आंखों से आंसू निकलने लगते हैं. आंसुओं का संबंध हमारी मनोदशा से होता है. लेकिन आपने कभी सोचा की जब हम रोते हैं तो हमारी आंखों से अपने आप आंसू क्यों निकलते हैं? आपको बता दें कि आंखों में आंसू आने की वजह पूरी तरह वैज्ञानिक है. आज हम आपको इसके बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं. रोने की होती हैं कई वजह आपको बता दें कि इंसानों के आंखों से आंसू किसी दुख, परेशानी या बेहद खुशी के मौके पर ही नहीं आते हैं, बल्कि ये किसी खास गंध या चेहरे पर तेज हवा के लगने के वजह से भी आते हैं. इसके अलावा प्याज काटने पर आंसुओं का निकलना आम बात है.

वैज्ञानिकों ने आंसुओं को मुख्य रूप से तीन श्रेणी में बांटा है. आंसुओं की पहली श्रेणी है बेसल. ये नॉन-इमोशनल आंसू होते हैं, जो आंखों को सूखा होने से बचाते हुए स्वस्थ रखते हैं. दूसरी श्रेणी में भी नॉन-इमोशनल आंसू ही आते हैं. ये आंसू किसी खास गंध पर प्रतिक्रिया से आते हैं, जैसे प्याज काटने या फिनाइल जैसी तेज गंध पर आने वाले आंसू.

इसके बाद आती है आंसुओं की तीसरी श्रेणी जिसे क्राइंग आंसू कहते हैं. क्राइंग आंसू भावनात्मक प्रतिक्रिया के तौर पर आते हैं. दरअसल, इंसान के दिमाग में एक लिंबिक सिस्टम होता है, जिसमें ब्रेन का हाइपोथैलेमस होता है. ये हिस्सा नर्वस सिस्टम से सीधे संपर्क में रहता है. इस सिस्टम का न्यूरोट्रांसमीटर संकेत देता है और किसी भावना के एक्सट्रीम पर हम रो पड़ते हैं. इंसान केवल दुख में ही नहीं, बल्कि गुस्सा या डर होने पर भी रोने लगता है, और आंखों से आंसू आने लगते हैं.

आंखों में आंसू आने की सबसे बड़ी वजह है प्याज में मौजूद केमिकल. इसे सिन-प्रोपें-थियल-एस-ऑक्साइड कहा जाता है. जब प्याज को काटा जाता है तो इसमें मौजूद यह केमिकल आंखों में मौजूद लेक्राइमल ग्लैंड को उत्तेजित करता है, इस कारण आंखों से आंसू निकलने लगते हैं. अगर आप चाहते हैं कि प्याज काटते समय आंसू न आए तो इसके लिए उसे काटने का तरीका बदलना पड़ेगा.

देहरादून में 22 जून से शुरू होगा क्रिकेट का रोमांच, 6 टीमों के बीच होंगे 18 मुकाबले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 20 जून : अगर आप क्रिकेट के शौकीन हैं और स्थानीय क्रिकेटर्स को मैदान पर चौके छक्के उड़ाते देखना चाहते हैं, तो चले आइए देहरादून। दरअसल राजधानी देहरादून में 22 जून से उत्तराखंड प्रीमियर लीग शुरू होने जा रही है। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने वाली टी-20 सीरीज में उत्तराखंड की 6 टीमें प्रतिभाग करेंगी। क्रिकेट उत्तराखंड को मान्यता मिलने के बाद ये पहली प्रोफेशनल लीग है। हर एक टीम में 18 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। टीमों का चयन सीएयू यानी उत्तराखंड क्रिकेट की चयनकर्ता समिति ने किया है।

अब बात करते हैं स्टार खिलाड़ियों की आईपीएल में अपना जलवा दिखा चुके आकाश मधवाल, राजन कुमार, आदित्य तारे भी उत्तराखंड प्रीमियर लीग में दमखम दिखाएंगे। मैच दोपहर साढ़े तीन बजे और शाम साढ़े सात बजे से खेले जाएंगे। यानी लीग में हर दिन दो मैच खेले जाएंगे। इसके अलावा 26 जून को तीन मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में टिहरी टाइटंस, देहरादून दबंग, नैनीताल निंजा, हरिद्वार हीरोज, पिथौरागढ़ चैंप्स और ऊधमसिंह नगर टाइगर टीमें हिस्सा लेंगी। उत्तराखंड प्रीमियर लीग Uttarakhand Premier League के पहले संस्करण में 6 टीमों के 18 मुकाबले खेले जाएंगे। IPL की तर्ज पर सभी मुकाबले दिन और रात में खेले जाएंगे। नौ मैच दिन और नौ मैच रात में होंगे।

आपके लिए कम उम्र में Health Insurance पॉलिसी लेना क्यों है जरूरी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जून , आज के दौर में हर एक व्यक्ति को हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी जरूर लेनी चाहिए. यह किसी मेडिकल जरूरत या अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में आपको फाइनेंशियल कवरेज प्रदान देता है. कोरोना महामारी के बाद हेल्थ इंश्योरेंस लेने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी है. लेकिन इसके बावजूद भी आम लोगों के लिए यह समझना थोड़ा मुश्किल है किआखिर उन्हें हेल्थ इंश्योरेंस क्यों लेना चाहिए

हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में युवाओं के लिए प्रीमियम कम

आपके लिए कम उम्र में हेल्थ इंश्योरेंस प्लान लेना फायदेमंद है. इसका वित्तीय फायदा आपको साफ तौर पर दिखेगा. हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में युवाओं के लिए प्रीमियम कम होता है. इसकी वजह है कि युवाओं के बीमार या गंभीर बीमारी से पीड़ित होने की संभावना कम होती है और इसलिए उनके लिए प्रीमियम भी कम रखा गया है. वहीं, हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम उम्र के साथ बढ़ता है इसलिए आपके लिए कम उम्र में ही ये बीमा पॉलिसी लेना ज्यादा बेहतर है.

प्रीमियम पर कोई लॉक इन पीरिएड नहीं

लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी में पॉलिसीधारक पूरी अवधि के लिए प्रीमियम को लॉक इन कर सकता है, लेकिन हेल्थ इंश्योरेंस के मामले में ऐसा संभव नहीं है. अगर आप 25 या 30 साल की उम्र में लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी लेते हैं, वो पॉलिसी टर्म की पूरी अवधि के लिए प्रीमियम को लॉक इन कर सकते हैं. वहीं, हेल्थ इंश्योरेंस लेने पर आप ऐसा नहीं कर सकते हैं, क्योंकि हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी लंबी अवधि की पॉलिसी नहीं होती हैं. ये एक या दो साल के लिए होती है. जिसका मतलब है कि इसके बाद उन्हें रिन्यू कराना पड़ेगा. रिन्यू संभव है और पॉलिसी को जारी रखा जा सकता है, लेकिन नया प्रीमियम रिन्यूअल के समय की उम्र पर आधारित होगा. इससे पॉलिसीधारक का प्रीमियम भी बढ़ेगा. क्योंकि पॉलिसीधारक की उम्र भी बढ़ जाएगी, भले ही पॉलिसी पर कोई क्लेम न हो.

कम उम्र में इंश्योरेंस पॉलिसी लेने से बेहतर ट्रैक रिकॉर्ड बनेगा

हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी के शॉर्ट टर्म रिन्यूअल से आपको ये लग सकता है कि पॉलिसी को कम उम्र में लेने का फायदा नहीं है. क्योंकि आने वाले सालों में प्रीमियम बढ़ जाएगा. हालांकि, ऐसा नहीं है.अगर कम उम्र में इंश्योरेंस पॉलिसी लेते हैं तो आपको दो बड़े फायदे मिल सकते हैं. जिसमें पहला ये कि इसमें मिलने वाली कवरेज को किसी इमरजेंसी मेडिकल इलाज में वित्तीय मदद देगी. वहीं,दूसरा ज्यादा लंबे समय में फायदा देगा. पॉलिसी लेने और नो क्लेम रिकॉर्ड बनाने से आपका ट्रैक रिकॉर्ड बनेगा , इंश्योरेंस कंपनी किसी वजह से क्लेम को रिजेक्ट नहीं कर सकती है. यहां आपको बड़ी राहत मिल सकती है, क्योंकि आपको क्लेम मंजूर होगा या नहीं इस बात की चिंता नहीं रहेगी.

नो क्लेम बोनस का भी मिलेगा फायदा

इसके अलावा कम उम्र में हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी लेन पर आपको नो क्लेम बोनस के तौर पर भी फायदा मिल सकता है. इंश्योरेंस कंपनियों की नो क्लेम बोनस को लेकर अपनी खुद की गाइडलाइंस होती हैं. इसे हर महीने सम एश्योर्ड के निश्चित प्रतिशत के तौर पर कैलकुलेट किया जाता है. इससे हर साल ये जुड़ता चला जाता है, जब तक ये किसी निश्चित आंकड़े जैसे 50% तक नहीं पहुंच जाता. इससे समान प्रीमियम पर हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज की राशि बढ़ जाती है.

शाहिद कपूर-कृति सेनन की अन-टाइटल फिल्म की रिलीज डेट आई सामने, इस दिन होगी रिलीज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 जून : बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म को दर्शकों की मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। हालांकि, फिल्म में जानकी के किरदार में कृति को काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म अच्छे खासे भारी भरकम बजट में बनी है और निर्माताओं को उम्मीद है कि यह ब्लॉकबस्टर साबित होगी। इस फिल्म के बाद अब जल्द ही कृति सेनन की जोड़ी 'ब्लडी डैडी' एक्टर शाहिद कपूर संग पहली बार बड़े पर्दे पर फैंस को देखने मिलेगीअ-भिनेत्री कृति सेनन ने 'आदिपुरुष' के बाद शाहिद कपूर के साथ अपनी अगली फिल्म के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। फिल्म 'ब्लडी डैडी' के बाद शाहिद पहली बार जानकी माता यानी कृति सेनन के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। शाहिद के साथ कृति की जोड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर फैंस को देखने मिलेगी। शाहिद-कृति स्टारर इस फिल्म का टाइटल तो अभी तक डिसाइड नहीं हुआ है, लेकिन मेकर्स ने इस रोमांटिक फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है।हाल ही में, जियो स्टूडियोज ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कृति सेनन स्टारर इस फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की है। अभिनेत्री ने लिखा, 'अपने कैलेंडर में इस नामुमकिन लव स्टोरी की डेट मार्क कर लीजिए, जो कि सात दिसंबर 2023 है।

कृति सेनन- शाहिद कपूर स्टारर यह फिल्म जियो स्टूडियो दिनेश विजन संग मिलकर ला रहे हैं।'आपको बता दें कि शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर इस अनटाइटल फिल्म का निर्देशन अमित जोशी और आराधना साह कर रहे हैं। हालांकि, इस फिल्म को 'जरा हटके, जरा बचके' के निर्देशक लक्ष्मण उतेकर प्रोड्यूस करेंगे। इससे पहले मेकर्स ने दर्शकों संग फिल्म का पोस्टर साझा किया था। फिल्म के पोस्टर में शाहिद कपूर और कृति बाइक पर बैठे रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे थे। अब दर्शकों को फिल्म के टाइटल का बेसब्री से इंतजार है।

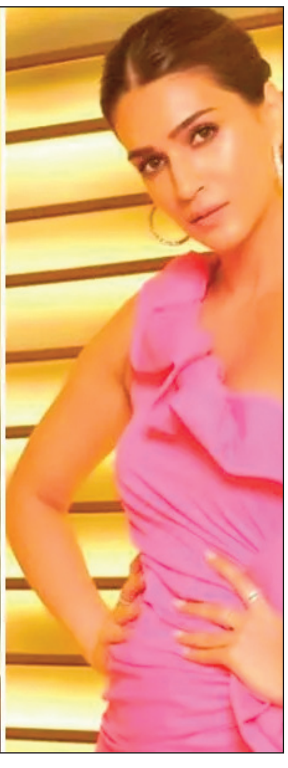

International Yoga Day 2023 : 21 जून को ही क्यों मनाते हैं योग दिवस, जानिए इतिहास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 जून : भारत को योग गुरु कहा जाता है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग लाभकारी है। योग का अभ्यास शरीर को रोगमुक्त रखता है और मन को शांति देता है।

भारत में ऋषि मुनियों के दौर से योगाभ्यास होता आ रहा है।योग भारतीय संस्कृति से जुड़ा है, आज दुनियाभर में योग को लोग अपने जीवन में शामिल कर रहे हैं और योगासनों के अभ्यास से स्वस्थ मन और तन की प्राप्ति का प्रयास कर रहे हैं। योग की इसी उपयोगिता से सभी को जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस मनाया जाता है।

कोरोना काल के बाद योग का महत्व अधिक बढ़ गया। संक्रमण से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से लोग योग अभ्यास करने लगे। लेकिन इस दिन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की शुरुआत साल 2015 से हो गई थी। इस वर्ष ही पहली बार पूरे विश्व में योग दिवस मनाया गया था। 27 सितंबर 2014 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त महासभा में दुनिया के तमाम देशों से योग दिवस को मनाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्वीकार करते हुए महज तीन माह के अंदर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन का ऐलान कर दिया। जिसके बाद अगले वर्ष 2015 में पहली बार विश्व ने योग दिवस मनाया

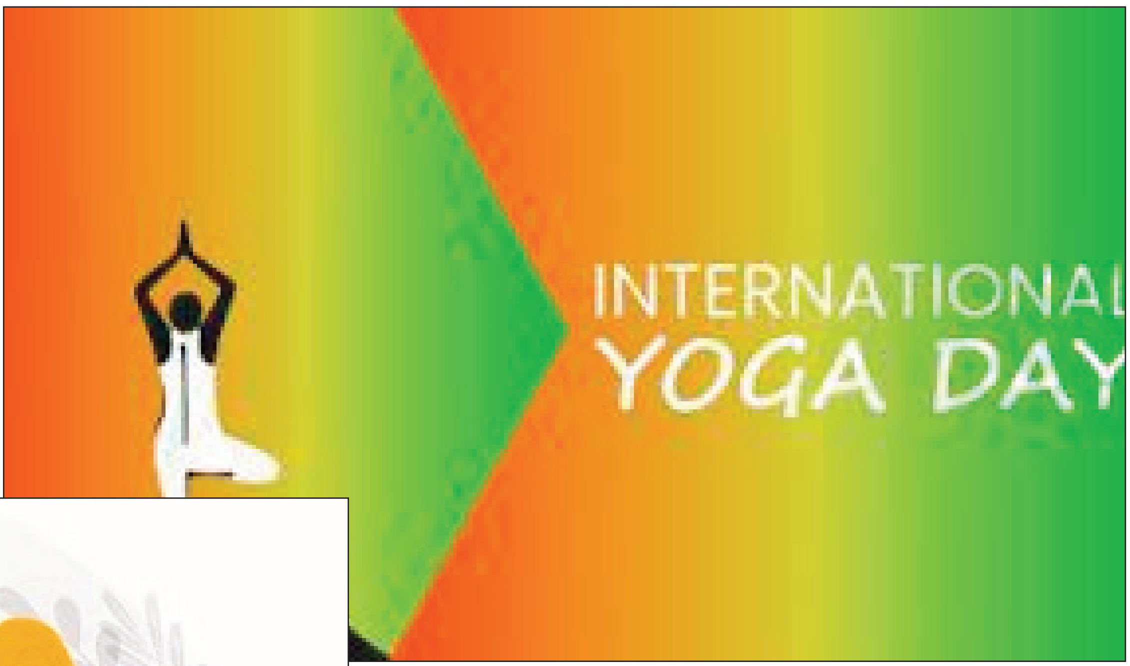

21 जून को क्यों मनाते हैं योग दिवस योग दिवस को मनाने के लिए एक दिन सुनिश्चित किया गया, जो कि 21 जून है। 21 जून को योग दिवस के तौर पर मनाने की वजह भी है। इस तारीख को उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है। जिसे ग्रीष्म संक्रांति कहते हैं।

भारतीय परंपरा के अनुसार, ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन होता है। सूर्य दक्षिणायन का समय आध्यात्मिक सिद्धियों को प्राप्त करने के लिए असरदार है। इस कारण प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाते हैं। योग दिवस 2023 की थीम 'वसुधैव कुटुंबकम के लिए योग' (Yoga for Vasudhaiva Kutumbakam) है। वसुधैव कुटुंबकम का अर्थ है- धरती ही परिवार है। इस थीम से तात्पर्य धरती पर सभी लोगों के स्वास्थ्य के लिए योग की उपयोगिता से है।

संपादकीय

मणिपुर में गृहयुद्ध के हालात

करीब 50 दिनों से हिंसा और हत्याओं का सिलसिला जारी है। मणिपुर में मैतेई और कुकी, नगा, जोमी आदि जनजातीय समुदाय स्थानीय हैं। उनमें जातीय विभाजन सनातन रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 5 दिनों का प्रवास किया था, स्थानीय प्रतिनिधियों से बातचीत की थी, सरकारी पैकेज की घोषणा भी की गई थी, लेकिन उनके दिल्ली लौट आने के बाद से हिंसा फिर उग्र हुई है। केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री राजकुमार रंजन सिंह, राज्य सरकार के एक मंत्री और कुछ विधायकों समेत 4000 से ज्यादा घर फूंके जा चुके हैं। मौत की संख्या 125 हो गई है और घायल करीब 3000 हैं। यह संख्या बढ़ती जा रही है। करीब 60,000 लोगों ने विस्थापित होकर पलायन कर लिया है। कई लोग राहत-शिविरों में हैं, तो अत्यंत भयभीत लोग राजधानी दिल्ली में आ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री साफ टिप्पणी कर चुके हैं कि मणिपुर की राज्य सरकार बिल्कुल फेल हो चुकी है। लेफ्टिनेंट जनरल निशिकांत सिंह सेवानिवृत्ति के बाद मणिपुर में बसे हैं। उन्होंने मणिपुर की तुलना सीरिया, लीबिया, लेबनान, नाइजीरिया आदि देशों से की है कि कभी भी, कोई भी, किसी को भी मार सकता है, घर फूंक सकता है और संपत्ति को नष्ट कर सकता है। पूर्व सेना प्रमुख जनरल वेद मलिक ने अपने सैन्य-साथी की चिंताओं को साझा किया है और प्रधानमंत्री के स्तर पर जल्द ही हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। यह स्थिति गृहयुद्ध नहीं है, तो और क्या है? मणिपुर की बुनियादी समस्या मैतेई बनाम कुकी ही नहीं है, बल्कि राजनीतिक, सामाजिक, सुरक्षा बलों के स्तर की भी है। हर वर्ग में विभाजन के हालात हैं। मणिपुर का एक आयाम म्यांमार से भी जुड़ा है। जब म्यांमार में सेना ने राजनीतिक सत्ता का तख्तापलट किया था, तो खूब मार-काट मची थी, लिहाजा वहां अफीम के जो बड़े व्यापारी थे, उन्होंने मणिपुर में आना तय किया। इस तरह कुकी वर्चस्व के पहाड़ी इलाकों में अफीम का साम्राज्य स्थापित हुआ। खुफिया एजेंसियों ने पूरी रपट प्रधानमंत्री मोदी तक दी, लिहाजा सरकार ने मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को 100 करोड़ रुपए का एक आर्थिक पैकेज दिया, ताकि अफीम के कारोबार को समाप्त किया जा सके। मणिपुर की भाजपा सरकार यह कार्रवाई तो कर नहीं पाई, लेकिन मैतेई को अनुसूचित जनजाति के उच्च न्यायालय की एकल पीठ के फैसले ने मणिपुर को गृहयुद्ध की आग में झोंक दिया। हालांकि सर्वोच्च अदालत का मानना था कि एकल न्यायाधीश ऐसा फैसला नहीं सुना सकते। परोक्ष रूप से उच्च अदालत वाला फैसला खारिज कर दिया गया।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

नशीले एवं मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्त होगी कार्यवाही : सीडीओ, यूएसनगर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 20 जून, जनपद में एनडीपीएस एक्ट के और अधिक प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा ने निर्देशित करते हुए कहा जनपद में अवैध नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त करने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही अमल में लाई जाये।

उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि नशीले एवं मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये। सीडीओ ने नशीले पदार्थों से होने वाले नुकसान एवं दुष्प्रभावों के प्रति वृहद्ध स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने 1 जुलाई से 15 अगस्त तक जनपद के सभी महाविद्यालयों तथा कक्षा 6 से 12 तक की कक्षाओं में नशीले पदार्थों का उपयोग न करने व जनजागरूकता के सम्बन्ध में शपथ दिलाने के निर्देश मुख्य शिक्षा अधिकारी को दिये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालयों में शपथ ग्रहण कार्यक्रम में अधिकारियों द्वारा भी प्रतिभाग किया जाये। बैठक डीएफओ संदीप कुमार, अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, आईपीएस चन्द्रशेखर घोड़के, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, मुख्य शिक्षा अधिकारी आरसी आर्य, जिला प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

पीसीसीएफ का मकान किराये पर लेने का झांसा दे एक लाख की ठगी

देहरादून। वन विभाग के रिटायर पीसीसीएफ का मकान किराये पर लेने का झांसा देकर साइबर ठग ने एक लाख रुपये का चूना लगा दिया। आरोपी ने खुद को सेना का जवान बताकर पीड़ित को विश्वास में लिया। ऑनलाइन पेमेंट भेजने का झांसा देकर खाते से रकम काट ली। वसंत विहार थाना पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर वसंत विहार होशियार सिंह पंखोली ने बताया कि रिटायर पीसीसीएफ शशि कुमार दत्त निवासी कांवली, जीएमएस रोड ने तहरीर दी। बताया कि उन्होंने अपना मकान किराये पर देने के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर पोस्ट डाली। उनके पास बीते आठ जून को एक फोन आया। फोन करने वाले ने खुद का परिचय सेना के जवान दीपक पंवार के रूप में दिया। कहा कि उसका ट्रांसफर देहरादून हुआ और उनका मकान किराये पर लेना चाहता है। फोन पर ही मकान लेने की डील की। इसके बाद झांसा दिया कि पेटीएम पर ऑनलाइन पेमेंट भेज रहा है। इस तरह झांसे में लेकर आरोपी ने पीड़ित के खाते से तीन ट्रांजेक्शन में एक लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। इसके बाद आरोपी ने पीड़ित का नंबर ब्लॉक कर दिया।

मसूरी में आईडीएच के पास लगे कूड़े के ढेर

देहरादून। मसूरी में आईडीएच के पास डंपिंग जोन में कूड़े के ढेर लगे हैं। यहां से कूड़ा ट्रकों के माध्यम से देहरादून भेजा जाता है, लेकिन यहां से रोजाना कूड़ा शीशमबाड़ा प्लांट नहीं भेजा जा रहा है। मजदूर संघ के अध्यक्ष रणजीत चौहान, सचिव देवी गोदियाल ने इसे लेकर नगर पालिका को ज्ञापन दिया है। इसमें डंपिंग जोन से रोजाना कूड़ा हटाने की मांग की गई है। स्थानीय निवासी अजीत का कहना है कि रविवार को ही शहर में महास्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान से एकत्रित कूड़ा भी आईडीएच में डंप किया गया। लेकिन इस कूड़े को हटाया नहीं जा रहा है। जिससे इलाके में दुर्गंध फैल रही है और बीमारियों का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने डंपिंग ग्राउंड से कूड़ा हर दिन हटाने की मांग की है। साथ ही कहा कि आईडीएच बिल्डिंग के पीछे दीवार का पुश्ता गिर गया है और सीवर लाइन भी टूटी है, इससे गंदगी ज्यादा फैल रही है। वहीं दूसरी ओर मसूरी में भोटिया मार्केट के निकट और गनहील प्वाइंट के पास भी कई जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। इसे लेकर पालिका अधिशासी अधिकारी राजेश नैथानी ने बताया कि इन स्थानों से रोजाना कूड़ा उठवाया जा रहा है, कहीं कोई दिक्कत है तो उसे सही किया जाएगा।

गोवा पहुंचे कबीना मंत्री गणेश जोशी, सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गोवा, 20 जून , उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी अपने तीन दिवसीय दौरे पर गोवा पहुंचे। जहां गोवा के मंडी एवं कृषि विपणन बोर्ड के अतिरिक्त सचिव गौतम बेनी ने गोवा के डाबोलिम अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कृषि मंत्री का पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। गौरतलब है, कि कौसंब और गोवा राज्य कृषि विपणन बोर्ड ₹ई-एनएएमः परिचालन, कठिनाइयों और अवसरों₹ पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कृषि मंत्री गणेश जोशी और राज्य कृषि विपणन बोर्ड की राष्ट्रीय परिषद के अध्यक्ष अध्यक्षता में 19-21 जून, 2023 को गोवा में आयोजन किया जा रहा हैं। भारत के विभिन्न राज्य कृषि विपणन बोर्डों अर्थात् तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, सिक्किम, पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, गोवा आदि से कुल 25-30 भारतीय प्रतिनिधि इस सम्मेलन में भाग लेंगे और अपने विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-एनएएम) एक अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग पोर्टल है जो मौजूदा एपीएमसी मंडियों को कृषि

वस्तुओं के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय बाजार बनाने के लिए नेटवर्क करता है। इसके अलावा, छोटे किसान कृषि-व्यवसाय संघ, सरकार के वक्ता। भारत, नागार्जुन फर्टिला-इजर एंड केमिकल लिमिटेड, हैदराबाद और कृषि अर्थशास्त्री, भारत सरकार के ई-नाम के बारे में अपने ज्ञान को साझा करने और प्रतिनिधियों के बीच विस्तृत चर्चा करेंगे।

उत्तराखंड पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अगवानी करने सीएम धामी जोलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे जहाँ उन्होंने केंद्रीय मंत्री का देवभूमि आने पर स्वागत किया।

51 करोड़ में बिकी यह घड़ी, आखिर इसमें ऐसा क्या खास था ? पढ़िए...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 जून , हाल ही में चाइना के हॉन्ग कॉन्ग में एक घड़ी की नीलामी हुई है. घड़ी की कीमत इतनी है, जिसे सुनकर किसी भी आंखें फटी की फटी रह जाएं. आइए जानते हैं आखिर इस घड़ी में ऐसा क्या खास है.इस घड़ी को पातेक फिलिपे कंपनी ने बनाया था. खास बात यह है कि घड़ी के लिए नीलामी सिर्फ छह मिनट में ही हो गई. मात्र 6 मिनट में ही इस घड़ी की बिक्री हो गई.शख्स ने यह घड़ी 4.8 करोड़ HKD यानी हॉन्ग कॉन्ग डॉलर में खरीदी है. जिसकी भारतीय रुपयों में कीमत लगभग 51 करोड़ रुपये है.नीलामी में इस घड़ी को एक व्यक्ति ने 62 मिलियन डॉलर यानी करीब 51 करोड़ रुपये में खरीदा है. हॉन्ग कॉन्ग के एक शौकीन संग्रहकर्ता ने यह

घड़ी खरीदी.दरअसल, इस घड़ी की खासियत यह है कि इसे चीन के किंग वंश के आखिरी राजा ने पहनी थी. मशहूर ऑस्कर विजेता फिल्म 'द लास्ट एंपरर' भी उसी राजा पर बनी थी.नीलामी करने वाली कंपनी फिलिप्स एशिया का कहना है कि घड़ी के लिए कई लोगों ने बोली लगाई थी. फिलिप्स एशिया के थॉमस पेराजी के मुताबिक, अब तक किसी भी राजा की घड़ी को इतनी कीमत नहीं मिली है. इसकी तरह की दुनिया में सिर्फ आठ घड़ियां ही मौजूद हैं.

संक्षिप्त खबरें

क्षैतिज आरक्षण को लेकर आंदोलनकारियों का धरना जारी

देहरादून। राज्य अधीन सेवाओं में 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण की मांग को लेकर संयुक्त राज्य आंदोलनकारी मंच के बैनर तले शहीद स्मारक में राज्य आंदोलनकारियों का धरना सोमवार को 15 वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि सरकार 10 फीसदी आरक्षण व चिन्हीकरण को लेकर राज्य आंदोलनकारियों को गुमराह कर रही है। चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के केन्द्रीय महामंत्री नवीन नैथानी ने कहा कि सरकार वास्तव में अगर राज्य आंदोलनकारियों की हितेषी है तो भर्ती कैलेंडर जारी करने से पहले या तो अध्यादेश लाए अथवा शासनादेश जारी करें। धरने पर समिति के केंद्रीय प्रवक्ता लाखन सिंह चिलवाल, कार्यक्रम संयोजक क्रांति कुकरेती, प्रवक्ता अंबुज शर्मा, मोहन सिंह रावत, सावित्री पंवार, प्रमोद उप्रेती, एकादशी देवी, दुर्ग बहादुर क्षेत्री, प्रभात डंडरियाल, सुनीता देवी, डीएस पंवार, उक्रांद के प्रवक्ता शांति प्रसाद भट्ट, प्रवीण पुरोहित आदि बैठे।

रायपुर इलेवन ने जीता फुटबॉल मुकाबला

देहरादून। गोल्डन जुबली गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में रायपुर एलेवन ने बालाजी ब्वायज को शिकस्त दी। पवेलियन ग्राउंड में सोमवार को लीग मैच खेला गया। बाजाली के अक्षय ने 26वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त तो दिलाई लेकिन इसके बाद टीम एक भी गोल नहीं कर पाई। जबकि रायपुर इलेवन की ओर से अतुल ने 48वें और 51वें, आर्यन ने 65वें मिनट में गोल कर टीम को 3-1 से जीत दिलाई। रायपुर के अतुल को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मौके पर राजेश परमार, फुनसुक नामगिल, जोगेंद्र सिंह पुंडीर, मदन सनवार, सुमन गुरुंग, अभिरुचि गुरुंग, निर्मल कुमार, सीएम भट्ट, देवाशीष कश्यप, मदन नेगी, अजीत काला आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत, हत्या की आशंका

रुद्रपुर। प्रीत विहार क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला के मुंह और नाक से खून के साथ शरीर पर भी चोट के निशान मिले थे। मृतका के भाई ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को तहरीर दी है। जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 25 प्रीत विहार क्षेत्र की ग्रेटर कैलाश कॉलोनी में मीना (35 वर्षीय) अपने दो पुत्रों के साथ रहती थी। उसके पति प्रेमशंकर की पांच वर्ष पहले मौत हो चुकी है। महिला की पुत्री का दो वर्ष पहले विपिन से विवाह हो गया था। मृतका के दामाद और पुत्र ने बताया कि मां को शुगर और ब्लड प्रेशर की शिकायत रहती थी। रविवार देर रात अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी। इसके बाद उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि महिला के मुंह और नाक से खून निकल रहा था। सूचना पर मृतका की मां, भाई और अन्य लोग कोतवाली पहुंचे। सोमवार को मृतका के भाई बिलासपुर रामपुर निवासी बाबू ने पुलिस को तहरीर दी। इसमें कहा कि रविवार शाम करीब पांच बजे उसकी बहन की कॉल आई थी। उसने बताया कि चार व्यक्ति उसे मार रहे हैं और उससे सात हजार रुपये की मांग रहे है। वहीं 9 बजे पता चला कि उसकी बहन मीना की मौत हो गई है। मृतका के भाई ने दो बेटे, दामाद और मोहल्ले के एक व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। कोतवाल विक्रम राठौर ने बताया कि मामले की जांच चल रही है।

दो बाइकों में भिड़ंत, दो रेफर

चम्पावत। टनकपुर-बनबसा हाईवे से लगे बिचई के पास दो बाइकों की आपस में भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइकों में सवार तीन लोग घायल हो गए। जिनमें से दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। रविवार देर रात मां पूर्णागिरि दर्शन कर घर लौट रहे बाइक सवार दो युवकों की टनकपुर आ रहे बाइक सवार युवक से आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों पलिया, यूपी निवासी कैलाश (30) पुत्र गजराज, अर्पित (29) पुत्र हरीश राम और विष्णुपुरी कॉलोनी निवासी सौरभ (35)पुत्र चंद्र शेखर घायल हो गए। वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत उपजिला अस्पताल पहुंचाया। डॉ.आफताब अंसारी ने बताया कि कैलाश और सौरभ को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। इधर धूरा से सूखीढांग आ रहे धूरा निवासी मनोहर सिंह (55) पुत्र शिवराज सिंह अनियंत्रित हो कर मैक्स वाहन से गिरकर मामूली रूप से चोटिल हो गए। जिसका उपजिला अस्पताल में उपचार जारी है।

विद्युत संयोजन में मनमानी का आरोप

चम्पावत। बनबसा निवासी उषा देवी ने घरेलू विद्युत संयोजन दिए जाने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में एसडीएम सुंदर सिंह को ज्ञापन सौंपा। वार्ड नं सात, बनबसा निवासी उषा देवी ने बताया कि 15 साल पहले उसके पति धूप चंद ने उसे और उसके बच्चों को छोड़ दिया था। जिसके बाद से वह अपने बच्चों का मेहनत मजदूरी करके गुजर बसर कर रही है। बताया कि उसकी छोटी बेटी माया को दौरे पड़ते हैं। लेकिन मकान में विद्युत संयोजन नहीं होने के कारण उसकी बेटी को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि वह विद्युत संयोजन लगाने के लिए बीते छह माह से विभाग के चक्कर काट रही है। बावजूद इसके अधिकारी कनेक्शन के नाम पर आनाकानी कर रहे हैं। बताया कि उल्टा उनके पति पर विद्युत विभाग का बकाया बाकि होने का हवाला दिया जा रहा है। जबकि पीड़िता का उसके पति से कोई सरोकार नहीं है। मामले में ऊर्जा निगम के एई मयंक भट्ट ने बताया कि बकाया जमा होने पर ही नया घरेलू विद्युत संयोजन दिया जाएगा।

पति और बच्चों को छोड़ भागी महिला, हाई कोर्ट ने प्रेमी संग रहने की दी इजाजत

देहरादून। उत्तराखंड हाई कोर्ट ने एक शादीशुदा महिला को अपने लिव इन पार्टनर के साथ रहने की इजाजत दे दी है। महिला पति और अपने दो बच्चों को छोडक़र अपने प्रेमी के साथ रह रही है, जो उसे सोशल मीडिया पर मिला था। हाई कोर्ट ने जिम ट्रेनर पति की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। महिला ने कहा कि वह अपनी मर्जी से अपने पति, 10 साल के बेटे और छह साल की बेटी को छोडक़र गई है। महिला ने कोर्ट को बताया कि उसका पति उसके साथ बुरा बर्ताव करता था और इसलिए वह उसके साथ नहीं रहना चाहती है। टाइम्स ऑफ इंडिया के एक रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस पंकज पुरोहित और मनोज तिवारी की खंडपीठ ने महिला को लिव इन पार्टनर के साथ बने रहने की अनुमति दी। याचिकाकर्ता के वकील अरुण कुमार शर्मा ने कहा कि वह इस फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती देंगे क्योंकि इससे विवाह जैसी व्यवस्था के लिए खतरनाक है। उन्होंने बताया कि कपल की शादी फरवरी 2012 में हुई थी। लेकिन 37 साल की महिला का फरीदाबाद के एक शख्स के साथ अफेयर हो गया। 7 अगस्त 2022 को उसने घर छोड़ दिया और फरीदाबाद में रहने लगी। 45 साल के पति ने बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिका दायर करते हुए देहरादून और फरीदाबाद के एसएसपी को निर्देश देने की मांग की थी।